संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -278 गुरुवार ,08 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

-फाईल फोटो-

-फाईल फोटो-

दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान के 28 वें दिन ही सरकार ने खोया आपा...रौंदा संपादक का प्रतिष्ठान व कार्यालय...

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है... ?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं... ?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी... ?

» भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश निर्माण का था जिनका संकल्प,भर्तियों में धांधली की जांच था जिनका संकल्प,अब वह उन्हीं के साथ जिनकी वह कराने वाले थे संकल्प पत्र में वादा कर जांच...

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी,दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार ?

» जिसकी डिग्री है फर्जी जो है...मंत्री का रिश्तेदार क्या उसे बर्खास्त करोगे प्रदेश के कर्णधार... ?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड... ?

कलम बंद...का उन्चालीसवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं?
स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का किया प्रयास...फिर भी नहीं बनी बात तो चलवाया बुलडोजर...ये कैसा संरक्षण?
ये कैसे पत्रकारों की सुरक्षा... कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...
जब उन्हें सच लिखने की मिलेगी सजा?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...क्या छापे आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब? स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी. स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन. स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी, भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक्क पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान..?

-फाईल फोटो-

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

-फाईल फोटो-

आखिर कलम बंद करने के लिए एक अखबार को किसने किया मजबूर...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर,07 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा..? यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा, तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है...सरकार किसी की भी हो...उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है... पिछली सरकार में भी सच लिखने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया था, उस समय भी परेशानियों का सामना संपादक सहित पत्रकारों को अखबार के करना पड़ा था,लेकिन उस समय परेशानियों का सामना मुकदमों से करना पड़ा था। कई मामले कानूनी दर्ज होने के तौर पर करना पड़ा था। वहीं इस बार आर्थिक क्षति के तौर पर अखबार के संपादक को नुकसान झेलना पड़ा है। भारत के लोकतंत्र में चौथा स्थान पत्रकारिता का आता है जिसे निष्पक्षता के साथ करना अत्यंत जरूरी है, ताकि देश में संतुलन बना रहे। जो काम दैनिक घटती-घटना बखूबी करता भी है, सत्ता परिवर्तन हुआ और नई सत्ता आई पर कमियों को दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित करना शुरू किया,जब पुरानी सरकार की कमियों को प्रकाशित किया गया था तब जनता ने नई सरकार चुनने का फैसला लिया और जब आज नई सरकार जनता के हित के लिए चुनी गई तो आज यह सरकार भी जनता के हित के लिए काम नहीं कर रही है। जिन कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया,प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई और उन्होंने अपनी कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया जिसका निर्देश उन्होंने मौखिक दिया गया जो न्यायोचित नहीं था और जो शासन की योजनाएं थी उस विज्ञापन को रोका गया जो पैसा भी शासन का था ना कि किसी मंत्री या अधिकारी के घर का, विज्ञापन रोकने में भी इतनी तत्परता दिखाई गई की नियमों को भी दरकिनार किया गया, इसके बाद भी दैनिक घटती-घटना कमियों की खबर प्रकाशित करता रहा, और लोकतंत्र को दबाया ना जाए इसके लिए दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके। दैनिक घटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया... ताकि जहां पर प्रेस ऑफ फ्रीडम का स्थान भारत में 169 वां है जो काफी शर्मनाक है और इस और देश के सर्वोच्च न्यायालय व देश के प्रधानमंत्री को सोचना चाहिए, और यह भी सोचना चाहिए कि जिस देश में प्रेस ऑफ फ्रीडम की स्थिति अच्छी है वहां पर उस देश की भी स्थिति अच्छी है। लोकतंत्र पर दबाव बनाने के लिए प्रदेश के अखबार के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही सहित शासकीय विज्ञापन की रोक कहीं ना कहीं लोकतंत्र को कुचलना भी लोगों की आवाज को दबाने का ही प्रयास जैसा है, दैनिक घटती -घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापे जिससे आपको बुरा ना लगे पर यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके। कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती-घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया,बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया,पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदना सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है क्योंकि जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया। अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई। जो स्वास्थ्य मंत्री का विपक्ष में रहते हुए बड़ा नाम था वहीं स्वास्थ्य मंत्री को सत्ता मिलते ही उस नाम को सरे बाजार नीलाम कर लिया और वह भी सिर्फ अपने विवादित कर्मचारी की वजह से यहां तक की संघ को भी उन्होंने नहीं छोड़ा। इस लेख के माध्यम से हम यह भी जानना चाहेंगे की क्या कलम बंद अभियान चलाकर एक अखबार ने गलत किया या फिर पूरे देश के लोकतंत्र को बचाने का प्रयास किया इस पर आपकी क्या राय है यह भी जरूर दें।

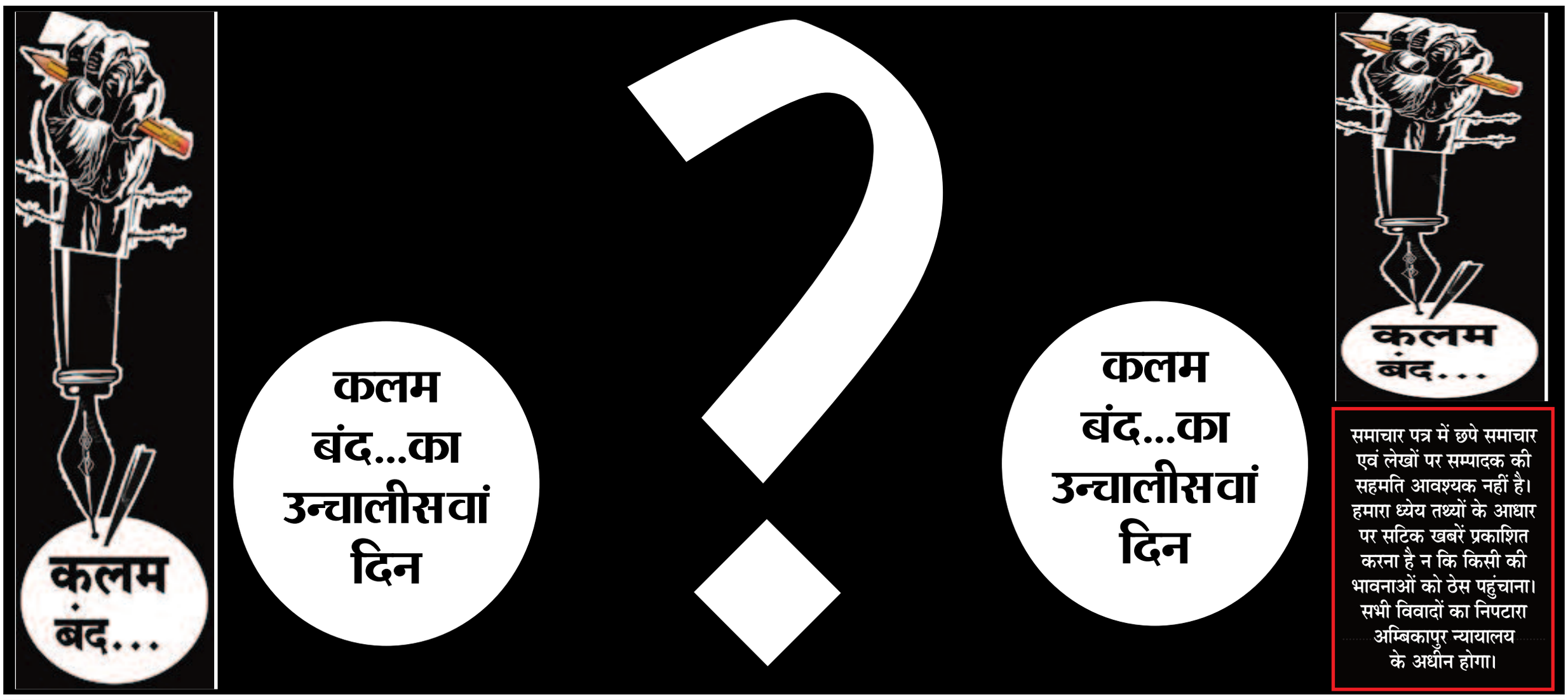

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खुला पत्र

क्या पुलिस पर दबाव डालकर प्रभारी डीपीएम भतीजे को बचा रहे स्वास्थ्य मंत्री ?

» स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे की फर्जी डिग्री मामले में अभी तक नही हुआ मामला दर्ज...

» शिकायतकर्ता संजय जायसवाल ने स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर की थी कार्यवाही की मांग लेकिन अभी तक नहीं हुई कार्यवाही...

» आखिर भतीजे ने किस नब्ज को दबा रखा हैं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर,07 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के तथाकथित विवादित भतीजे सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम के शैक्षणिक योग्यता की डिग्री फर्जी साबित हुई है,प्रभारी डीपीएम ने अपनी नौकरी के लिए जिस डिग्री का उपयोग किया था पुलिसिया जांच में विश्वविद्यालय ने लिखित में बतलाया है कि वह डिग्री विश्वविद्यालय द्वारा जारी नही की गई है। इस मामले को लेकर शिकायतकर्ता गांधी नागरिक एकता मंच बैकुंठपुर के अध्यक्ष एवं पार्षद संजय जायसवाल ने सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामला दर्ज करने की मांग की थी लेकिन अभी तक मामला दर्ज नही किया जा सका है,संभावना जताई जा रही है कि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा भतीजे को बचाने के लिए पुलिस पर भी मामला दर्ज ना करने का दबाव डाला जा रहा है जबकि शिकायतकर्ता ने खुद मंत्री से मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया था। ऐसी स्थिति में शिकायतकर्ता को माननीय न्यायालय का सहारा लेना पड़ेगा।

पुलिस महानिरीक्षक को सौंपा गया है ज्ञापन

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के भतीजे प्रभारी डीपीएम सूरजपुर प्रिंस जायसवाल के विरूद्ध गांधी नागरिक एकता मंच के अध्यक्ष एवं पार्षद संजय जायसवाल ने शिकायत किया था कि प्रिंस जायसवाल के द्वारा मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ का कोर्स जिस विश्वविद्यालय से

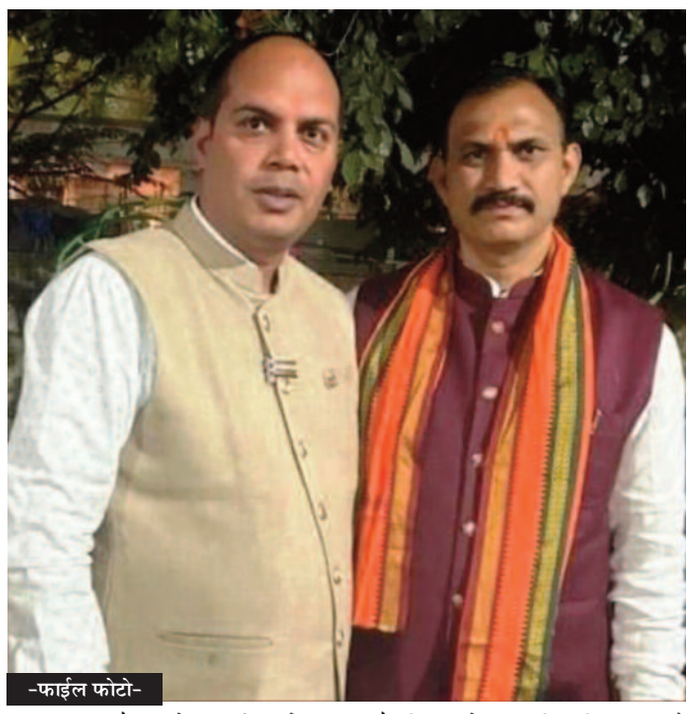

-फाईल फोटो-

कराया गया है उससे संपर्क करने पर बतलाया गया कि 2012 से 2014 के बीच फर्जी डिग्री का वितरण किया गया है और रिजल्ट में हस्ताक्षरित रजिस्टार एसके गुप्ता वर्तमान में फर्जी डिग्री प्रकरण में जेल में हैं। शिकायत के बाद सूरजपुर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच विश्वविद्यालय से कराई जिसके बाद जांच में पाया गया कि प्रिंस जायसवाल की डिग्री फर्जी है और विश्वविद्यालय से जारी नही की गई है। इसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा वेरिफिकेशन में डिग्री फर्जी होने की जानकारी सामने आने के बाद संजय जायसवाल ने स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे प्रभारी डीपीएम के खिलाफ एफआईआर करने की मांग सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक से की है। उन्होने महानिरीक्षक को सौंपे ज्ञापन में लिखा है कि उनकी शिकायत पर सूरजपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा 14 जुलाई 2024 को साबरमती विश्वविद्यालय अहमदाबाद गुजरात को डिग्री की सत्यता को लेकर ईमेल एवं स्पीड पोस्ट किया गया था। विश्वविद्यालय द्वारा 16 जुलाई को ही पुलिस अधीक्षक को डिग्री के फर्जी और कूटरचित होने की जानकारी दी गई। पत्र में बतलाया गया कि प्रिंस जायसवाल के द्वारा उनके यहां से डिग्री हासिल नही की गई है और इसका कोई रिकार्ड भी विवि के पास उपलब्ध नही है। पार्षद ने लिखा है कि विश्वविद्यालय के पत्र के बाद साफ हो गया है कि प्रिंस जायसवाल फर्जी डिग्री को सेल्फ अटेस्ट कर डीपीएम की भर्ती का आवेदन किया था जो कि गैर कानूनी है। पत्र में लिखा गया है कि फिलहाल प्रिंस जायसवाल प्रभारी डीपीएम सूरजपुर के रूप में संविदा के रूप में कार्यरत है और इसमे भी फर्जी डिग्री का प्रयोग किया गया है। पार्षद ने मामले की निष्पक्ष जांच कर एफआईआर दर्ज करने की मांग पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा से 26 जुलाई को किया है लेकिन अभी तक किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही की गई और ना ही मामला दर्ज किया गया है जिससे संभावना जताई जा रही है कि भतीजे को बचाने स्वास्थ्य मंत्री द्वारा पुलिस पर भी दबाव डाला जा रहा है। मामले में शिकायतकर्ता संजय जायसवाल ने स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर प्रभारी डीपीएम भतीजे की शिकायत की थी लेकिन लोकतंत्र के चैथे स्तंभ को कुचलने की कोशिश करने वाले स्वास्थ्य मंत्री से ज्यादा उम्मीद करना भी बेमानी है।

भतीजे को बचा कर क्या एहसान चुका रहे हैं स्वास्थ्य मंत्री ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को विवादित अफसर और स्टॉफ काफी पसंद हैं उनके द्वारा ऐसे विवादित लोगो को खासा महत्व दिया जाता है। भतीजा काफी विवादित है,पूर्व में कोरिया में पदस्थापना थी कोरोना काल में लूट खसोट कर महारथ हासिल की गई। बाद में कोरिया के तात्कालिक कलेक्टर विनय लंगेह के साथ मिलकर सीटी स्कैन मशीन की खरीदी में काफी लूट-खसोट मचाई गई। कांग्रेस शासनकाल में खुद को कांग्रेसी बतलाने वाले प्रभारी डीपीएम ने राज्य में सत्ता बदलते ही अपना भी सुर बदल लिया और खुद को भाजपाई बतलाने लगा। चाचा प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री बना दिए गए इसलिए उनके नाम का सहारा लेकर अधिकारियों पर भी दबाव बनाने का काम किया जाने लगा। इसी बीच जब कोरिया मे आवाज तेज होने लगी तो स्वास्थ्य मंत्री ने भतीजे पर कार्यवाही की बजाए सूरजपुर जिले में प्रभारी डीपीएम बनाकर भेज दिया। अब चुकि वह डिग्री भी फर्जी बताई गई है जिसके आधार पर प्रभारी डीपीएम ने नौकरी हासिल की है जिसके बाद सवाल उठता है कि क्या इस पर स्वास्थ्य मंत्री कार्यवाही करेंगे। जानकारो का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री भतीजे प्रभारी डीपीएम पर किसी प्रकार की कार्यवाही नही करेंगे क्योंकि वह उसके एहसान तले दबे हुए हैं।

प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग खुद वेंटिलेटर पर:दीपक बैज

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लगाया आरोप...कहा...नकली दवाओं की सप्लाई के साथ हो रही कमीशनखोरी...

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर,07 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने गत दिनों वीडियो जारी करते हुए प्रदेश सरकार पर अनेक गंभीर आरोप लगाया है,उन्होने स्वास्थ्य विभाग पर तीखा हमला किया और कहा कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग खुद वेंटिलेटर पर है,नकली दवाओं की खरीदी हो रही है, सरकार में कमीशनखोरी होने का आरोप भी कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाया है।प्रदेश अध्यक्ष ने वीडियो जारी करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य विभाग इस सरकार में भगवान भरोसे चल रही है,कहीं डायरिया से मौत,कहीं मलेरिया से मौत,कहीं मशीने बंद पड़ी हुई हैं। कई जगह डॉक्टर नही हैं,अंदरूनी क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमला नही पहुंच पा रहा है। श्री बैज ने कहा कि सरकार पूरी तरह से कमीशनखोरी में लगी हुई है,नकली दवाओं की सप्लाई हो रही है।

-फाईल फोटो-

भाजपा सरकार में स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह से बदहाल कर दिया गया है,स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ में खुद वेंटिलेटर पर है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार और खासकर स्वास्थ्य विभाग पर भी तीखा हमला किया है जिसके बाद स्पष्ट है कि पूरे प्रदेश भर में विभाग का हाल बेहाल है।

क्या सच कहने वाले कांग्रेस अध्यक्ष पर भी कार्यवाही करेंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को खुद और विभाग की बुराई कतई पसंद नही है,उन्हे लोकतंत्र के चैथे स्तंभ में वाहवाही पसंद है। यदि चैथे स्तंभ का कोई व्यक्ति विभाग और चिकित्सालयों की दुर्दशा को दिखलाएगा तो यह तय है कि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा पहले उसके खिलाफ शिकायत कराई जाएगी और बाद में घटिया स्तर की राजनीति का परिचय देते हुए हर तरह से प्रताड़ित करने की कोशिश की जाएगी। छत्तीसगढ प्रदेश में आज लोकतंत्र का चैथा स्तंभ संघर्ष के दौर से गुजर रहा है,कुछ चाटुकारों ने अपनी कलम गिरवी भी रख दी है,ऐसे चाटुकारों द्वारा वही लिखा जाता है जो पद में बैठे सत्ताधारी पढना चाहते हैं। घटती-घटना अखबार में लगातार दुर्दशा की खबरों का प्रकाशन किया गया जिससे दुर्भावनावश स्वास्थ्य मंत्री ने संपादक और अखबार को जमीदोज करने का बीड़ा उठाया है,वहीं अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी विभाग की पोल खोली है और बड़ा आरोप लगाया है लगता है स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ भी कोई षडयंत्र कर कार्यवाही कराई जाएगी।

दैनिक घटती-घटना अखबार के संपादक को मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री से जान का खतरा क्यों ?

» सोशल मीडिया में लिखकर संपादक ने जताई आशंका

-रवि सिंह-

रायपुर/अंबिकापुर 07 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। विष्णु का सुशासन,प्रदेश सरकार द्वारा आए दिन इस नारे का प्रचार-प्रसार किया जाता है लेकिन क्या सच में प्रदेश में सुशासन नाम की कोई चीज नजर आती है यह बात लोगो के जेहन में सहज भाव से आती है। क्या एक वर्ग को सिर्फ योजनाओं को लाभ दिलाकर सुशासन का उदाहरण माना जा सकता है कदापि नही। सरकार द्वेषपूर्वक शोक संतप्त संपादक पुत्र के व्यावसायिक परिसर पर बुलडोजर चलवाती है आरोप लगता है कि नजूल पर कब्जा था लेकिन कब्जा क्या सिर्फ संपादक ने किया था या यह कार्यवाही सिर्फ इसलिए हुई कि अखबार सच प्रकाशित कर सरकार को आईना दिखला रहा था। सरगुजा संभाग को पहली बार मुख्यमंत्री पद मिला है लेकिन विष्णु के सुशासन में सरगुजा संभाग से निकलने वाले दैनिक अखबार के संपादक के व्यावसायिक परिसर पर ऐसे बुलडोजर कार्यवाही होगी वह भी शोक काल में इसकी कल्पना सभ्य समाज कभी नही कर सकता। सरकार ने हिंदु मान्यताओं को तोड़ने पर भी मजबूर किया है यह सामान्य विषय नही हो सकता। जो राम के नाम का नारा लगाते हैं, हिंदुत्व की बात करते हैं, भगवा धारण कर खुद को देश का हितैषी बतलाते फिरते हैं उनके राज में इस प्रकार की घटिया राजनीति का दृश्य देखने को मिला इसकी सर्वत्र निंदा हो रही है। बहरहाल पिता के शोक कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात अखबार के संपादक ने खुद की जान का खतरा होने का अंदेशा व्यक्त किया है,स्पष्ट रूप से सोशल मीडिया में लिखा है कि उनकी जान को खतरा है। अखबार के संपादक अविनाश सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि मेरे को..या मेरे परिवार को अगर जान और माल का नुकसान होता है तो जिम्मेदारी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल तथा दो ओएसडी एक डीपीएम की रहेगी...बयान मानें। संपादक द्वारा किये गए उक्त पोस्ट के बाद अनेक लोगों की प्रतिक्रिया भी सामने आ रही है,माना जा रहा है कि संपादक ने जिस प्रकार का अंदेशा व्यक्त किया है उस हिसाब से भविष्य में संपादक को जान का खतरा हो सकता है। संपादक ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि ये पैतरा आजमाने वाले हैं सूबे के मुखिया व स्वास्थ्य मंत्री तथा दो ओएसडी एक डीपीएम की रहेगी...बयान मानें।

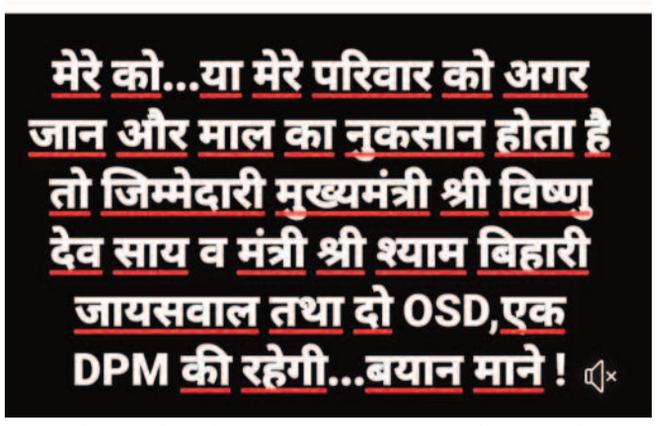

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,07 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,07 अगस्त 2024(घटती-घटना) | भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

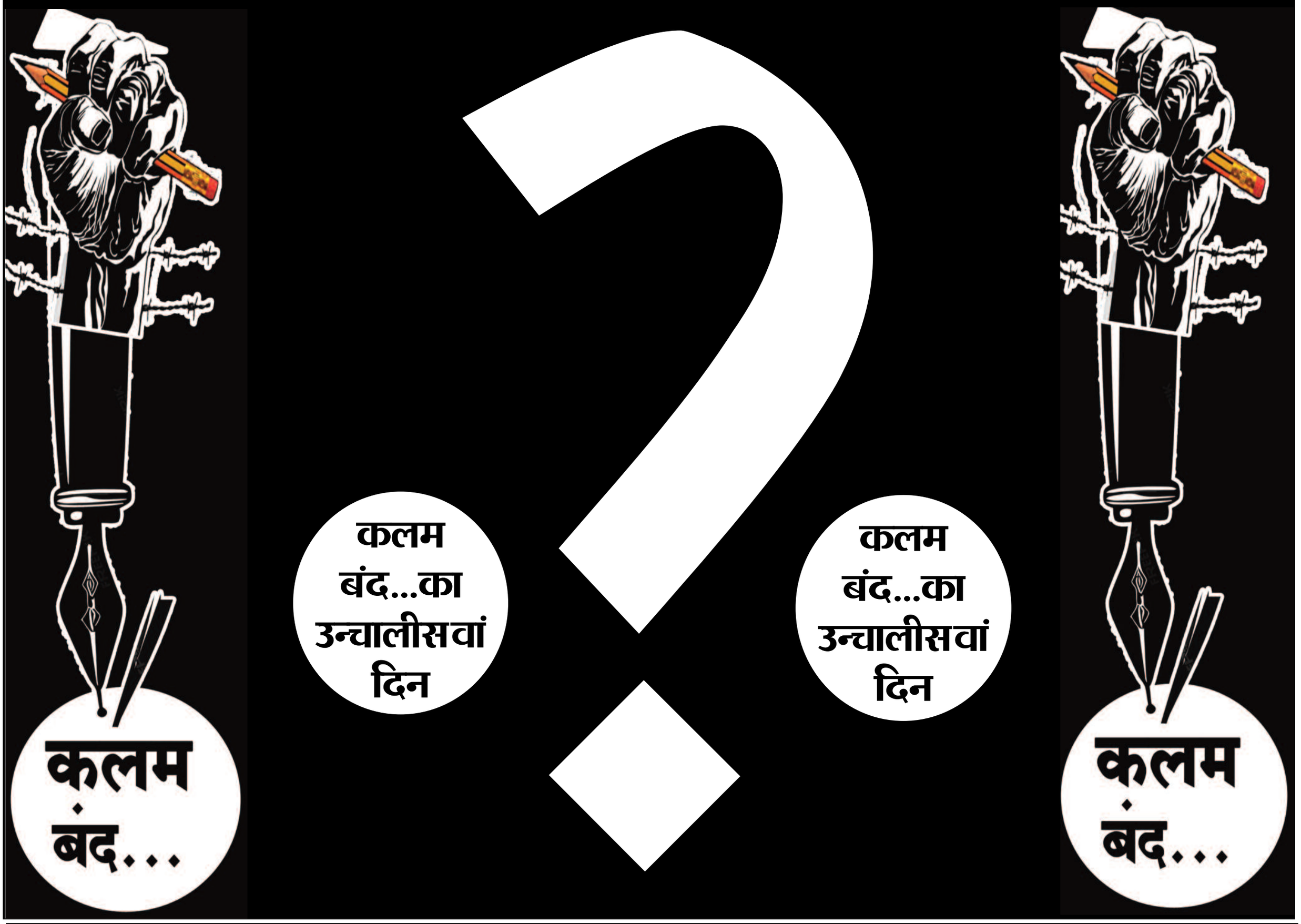

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर, 07 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

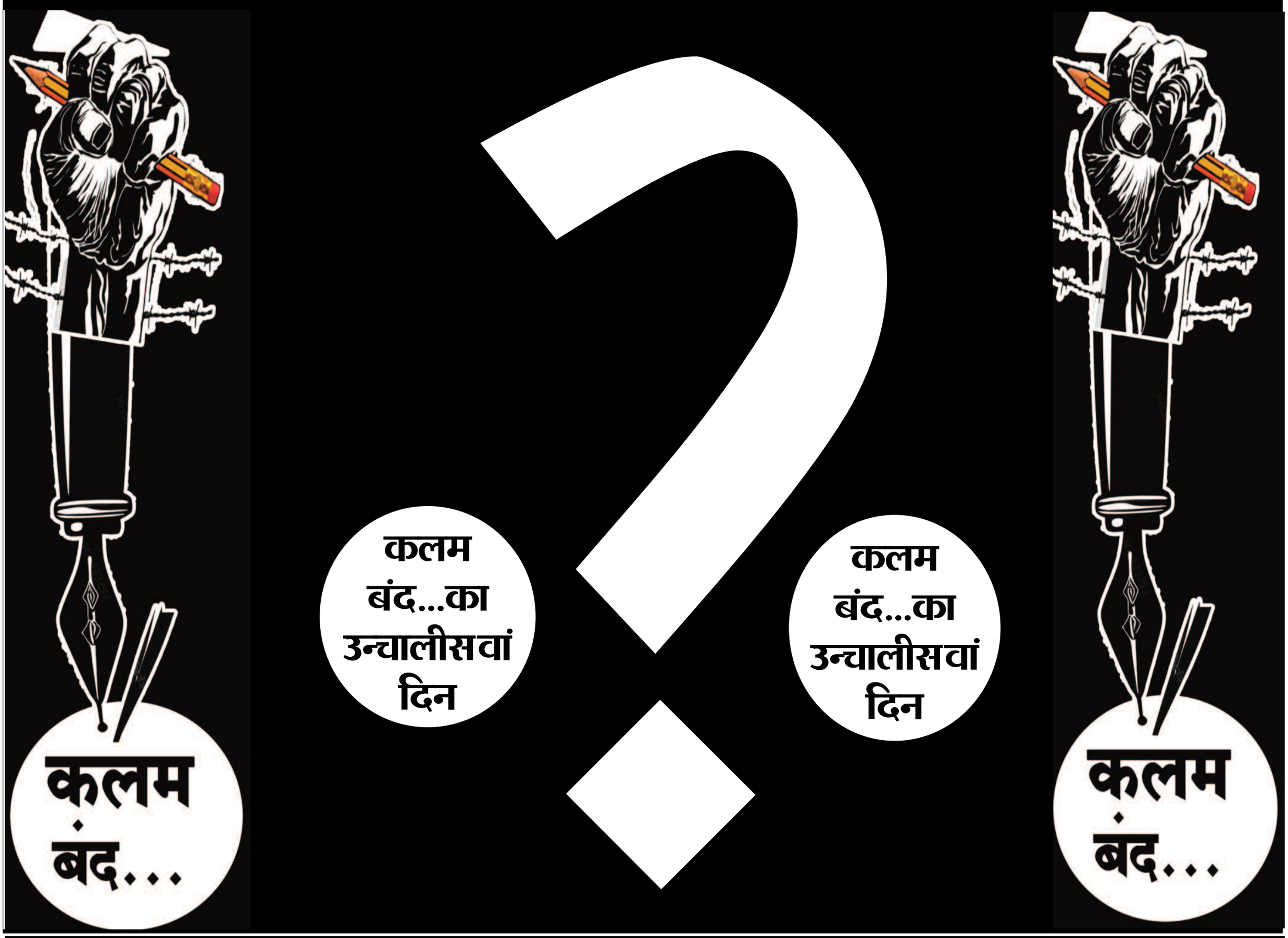

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

आईसीसी रैंकिंग में हुआ बड़ा उलटफेर

» रोहित शर्मा को जबरदस्त फायदा

» विराट कोहली नीचे खिसके

कोलंबो,07 अगस्त 2024। भारत और श्रीलंका के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज के लिए आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग भी जारी कर दी गई है। भारत के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली इस सीरीज का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी रैंकिंग में भी बदलाव देखने के लिए मिल रहा है। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में पहले दो मैचों में जहां एक ओर रोहित शर्मा ने लगातार दो अर्धशतक लगाए, वहीं विराट कोहली का बल्ला नहीं चला, इसका असर रैंकिंग पर भी देखने के लिए मिल रहा है।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बाबर आजम नंबर एक, शुभमन गिल नंबर दो पर

आईसीसी की ओर से जारी की गई वनडे रैंकिंग में कुछ अहम और बड़े बदलाव देखने के लिए मिल रहे हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम का अभी भी नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा बना हुआ है। उनकी रेटिंग इस वक्त 824 की है। वहीं भारत के शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं। उनकी रेटिंग 782 की है। इस सीरीज के पहले तक शुभमन गिल की रेटिंग 801 की थी, जो अब घट गई है, लेकिन इसके बाद भी वे दूसरे स्थान पर काबिज हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उनकी रेटिंग में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। रोहित शर्मा की रेटिंग इस सीरीज से पहले 746 की थी, जो अब बढ़कर 763 हो गई है। अब वे एक स्थान के फायदे के साथ नंबर तीन पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं।

विराट कोहली को नई आईसीसी रैंकिंग में हुआ नुकसान

इस बीच विराट कोहली को हल्का सा नुकसान उठाना पड़ा है। वे अब तीन से नंबर चार पर चले गए हैं। सीरीज से पहले विराट कोहली की रेटिंग 768 की थी, जो अब घटकर 752 की हो गई है। हालांकि नंबर 5 के बल्लेबाज से उनकी लीड अभी भी ठीकठाक बनी हुई है। आयरलैंड के हैरी ट्रेक्टर अब 746 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर चले गए हैं, उन्हें भी एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 728 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर हैं और डेविड वार्नर 723 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर कब्जा जमाए हुए हैं। ये दोनों बल्लेबाज पहले भी यहीं पर थे।

डेविड मलान को फायदा,पदुम निसंका को नुकसान

इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मलान को एक स्थान का फायदा हुआ है। वे अब 707 की रेटिंग के साथ नंबर आठ पर आ गए हैं। वहीं श्रीलंका के पदुम निसंका को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। वे अब 705 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर चले गए हैं। साउथ अफ्रीका के रासी वेंडर डुसें 701 की रेटिंग के साथ नंबर 10 पर बने हुए हैं। भारत और श्रीलंका के बीच आखिरी वनडे मैच आज है, इसके बाद जब रेटिंग आएगी तो उसमें भी कुछ बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं।

संक्षिप्त खेल समाचार

विनेश फोगाट की अयोग्यता पर पीटी उषा ने कहा-उनका अयोग्य होना हैरान करने वाला

नई दिल्ली,07 अगस्त 2024। विनेश फोगाट की अयोग्यता पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा का बड़ा बयान सामने आया है। पीटी उषा ने अपने बयान में कहा कि विनेश का अयोग्य होना बेहद चौंकाने वाला है। मैं कुछ समय पहले ओलंपिक विलेज पॉलीक्लिनिक में विनेश से मिली और उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ, भारत सरकार और पूरे देश के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने आगे बताया कि हम विनेश को सभी चिकित्सा और भावनात्मक सहायता प्रदान कर रहे हैं। पीटी उषा ने आगे कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू लागू किया है और वह इसका यथासंभव सशक्त तरीके से पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं विनेश की मेडिकल टीम द्वारा रात भर किए गए अथक प्रयास से अवगत हूं ताकि वह प्रतियोगिता की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। पीटी उषा और विनेश के पोषण विशेषज्ञ दिनशॉ पारदीवाला ने विस्तृत बयान में कहा कि हमने उनके बाल काटे, उसके कपड़े छोटे किए। हर संभव प्रयास किया।

यूएसए ओलंपिक बास्केटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचा

पेरिस,07 अगस्त 2024। पेरिस ओलंपिक में पहले तीन पुरुष बास्केटबॉल क्वार्टर फाइनल में सभी पसंदीदा टीमों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। कनाडा फ्रांस से हार गया। सर्बिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराने के लिए 24 अंकों की कमी को दूर किया। जर्मनी को ग्रीस को हराने से पहले दोहरे अंकों की कमी को दूर करना पड़ा। इसलिए, रात के चौथे और अंतिम गेम में जाने से पहले, अमेरिका को पता था कि उसे क्या करना है। हम बाहर आना चाहते थे और सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम आक्रामक थे, अमेरिकी कोच स्टीव केर। उन्होंने इसे आसान भी बना दिया। डेविन बुकर ने 18 अंकों के साथ एक संतुलित मोर्चे का नेतृत्व किया और अमेरिकियों को पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में ब्राजील के साथ बहुत कम परेशानी हुई, मंगलवार को 122-87 से जीत हासिल की। अमेरिका (4-0) गुरुवार के सेमीफाइनल में सर्बिया (3-1) का सामना करने के लिए आगे बढ़ता है, जबकि जर्मनी (4-0) दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस (3-1) से भिड़ता है। उन खेलों के विजेता शनिवार रात स्वर्ण पदक के लिए खेलेंगे; गुरुवार के हारने वाले शनिवार सुबह कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

लोपेज ने विनेश की जगह ली

पेरिस,07 अगस्त 2024। ओलंपिक खेलों के सेमीफाइनल में विनेश फोगट से हारने वाली क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज़ ने यहां यूएसए की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ़ 50 किग्रा वर्ग के फ़ाइनल में अयोग्य घोषित की गई भारतीय पहलवान की जगह ली। अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती नियमों के अनुच्छेद 11 के अनुसार, विनेश (भारतीय महिला) की जगह सेमीफ़ाइनल में उनसे हारने वाली पहलवान को लिया जाएगा।

पीसीबी ने किया पाकिस्तानी क्रिकेट टीम का ऐलान

शान मसूदी को मिली कमान

करांची,07 अगस्त 2024। पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक बार फिर से मैदान में उतरने के लिए तैयार है। अब पाकिस्तानी टीम बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है और इसके लिए पीसीबी की ओर से टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम की कमान एक बार फिर से शान मसूद के हाथ में सौंपी गई है। टेस्ट में शान मसूद ही कप्तानी कर रहे हैं। वहीं बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी को भी टीम में जगह मिली है। टेस्ट सीरीज के सारे मुकाबले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेले जाएंगे, जिसकी अंक तालिका में पाकिस्तानी टीम फिलहाल फिसड्डी है।

पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश सीरीज के लिए ये खिलाड़ी चुने गए

पीसीबी की सेलेक्शन कमेटी ने बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबलों के लिए 17 सदस्यीय पाकिस्तानी टीम

की घोषणा कर दी है। पहला टेस्ट 21-25 अगस्त तक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से 3 सितंबर तक कराची में होगा। पीसीबी की ओर से बताया गया है कि पाकिस्तानी टेस्ट टीम का ट्रेनिंग कैंप शिविर 11 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। बताया गया है कि इसकी देखरेख हेड कोच जेसन गिलेस्पी और सहायक कोच अजहर महमूद करेंगे। अभी तक जो जानकारी पता चली है, उसमें बताया गया है कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम 17 अगस्त की सुबह इस्लामाबाद पहुंचेगी।

मोहम्मद हुरैरा, कामरान गुलाम और मोहम्मद अली को भी मिली जगह

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साफ कर दिया है कि सीरीज के लिए टीम में 17 खिलाड़ी चुने गए हैं, जिसका नेतृत्व शान मसूद करेंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज सऊद शकील को उपकप्तान बनाया गया है। इससे पहले शाहीन शाह अफरीदी टीम के उपकप्तान थे, लेकिन उनसे ये जिम्मेदारी ले ली गई है। सीरीज के लिए जो खिलाड़ी चुने गए हैं, उसमें से 13 खिलाड़ी पिछली सीरीज में भी शामिल थे, जब पाकिस्तानी टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। मोहम्मद हुरैरा, कामरान गुलाम और मोहम्मद अली को अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है, उन्हें टीम में जगह मिली है। वहीं तेज गेंदबाज नसीम शाह 13 महीने बाद लाल गेंद वाली टीम में वापसी कर रहे हैं।

पाकिस्तान की पूरी टेस्ट टीमः शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद रिजवान (विकेट-कीपर), नसीम शाह, सैम अयूब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेट-कीपर) और शाहीन शाह अफरीदी।

अफगानिस्तान बल्लेबाज पर पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया

काबुल,07 अगस्त 2024। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने युवा बल्लेबाज एहसानुल्लाह जनता को पांच साल के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया है। जनता पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगा, जिस पर उन्होंने सहमति जताई। एहसानुल्लाह जनता को काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे संस्करण के दौरान मैच फिक्सिंग का दोषी पाया गया था। अफगान खिलाड़ी ने एसीबी और आईसीसी भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप स्वीकार किए।

जनत को आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुच्छेद 2.1.1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें मैच के परिणाम, प्रगति या अन्य पहलुओं को प्रभावित करना या हेरफेर करने का प्रयास करना शामिल है। उल्लंघन के कारण, जनता को पांच साल के लिए क्रिकेट से संबंधित सभी गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया था। जनता ने आरोपों पर सहमति व्यक्त की और भ्रष्ट गतिविधियों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। यह न केवल जनता के लिए बल्कि अफगान क्रिकेट के लिए भी बहुत बड़ा झटका है। केपीएल के विकास में एसीबी ने अहम भूमिका निभाई, लेकिन इस घटना के बाद इसकी विश्वसनीयता संदिग्ध हो गई. हालांकि, एसीबी ने कहा कि एहसानुल्लाह जनता के दोषी पाए जाने के बाद बोर्ड ने तीन और खिलाड़ियों के खिलाफ मैच फिक्सिंग की जांच शुरू की है. बयान में कहा गया, एसीबी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने घोषणा की है कि तीन अन्य सदस्यों पर भी मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उनके दावे साबित होने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

बांग्लादेश की सड़क पर हुआ दिल दहलाने वाला फिल्मी सीन

भीड़ ने एक्टर और डायरेक्टर को घेरा, पीट-पीटकर मार डाला

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता और देश छोड़ने के बाद वहां जारी हिंसा के बीच हालात काफी खराब होते जा रहे हैं। बांग्लादेश में जारी अराजकता और हिंसा के माहौल के बीच खबर आ रही है कि वहां मुजीबुर रहमान पर फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर और उनके बेटे एक्टर को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला है। मामला मॉब लिंचिंग का बताया जा रहा है, जहां मुल्क के मशहूर एक्टर शांतो खान और उनके पिता सलीम खान इस तरह फंस गए कि उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शांतो और सलीम अपने होमटाउन से जान बचाकर भागने की कोशिश कर रहे थे और इसी दौरान भीड़ ने उन्हें दबोच लिया। भीड़ ने दोनों बाप-बेटे को तब तक पीटा जब तक उनकी जान नहीं निकल गई। इस दर्दनाक और भयानक घटना से पश्चिम बंगाल और फिल्म इंडस्ट्री काफी दुखी है।

शांतो और सलीम अपने होमटाउन से भागने की कोशिश कर रहे थे

बताया जा रहा है कि सलीम इंडस्ट्री के फेमस प्रड्यूसर और डायरेक्टर कहे जाते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, शांतो और सलीम जब अपने होमटाउन से भागने की कोशिश कर रहे थे तभी वे बलिया यूनियन के फरक्काबाद बाजार में चल रही हिंसा में फंस गए। खबर है कि दोनों जब बागारा बाजार पहुंचे, तो वहां उन्हें भीड़ ने घेर लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जैसे ही बागारा बाजार पहुंचे वहां भीड़ ने चारों तरफ से उन्हें घेर लिया।

दोनों ने भीड़ से बचने के लिए गोली भी चलाई

खबरों के मुताबिक, दोनों ने भीड़ से बचने के लिए गोली भी चलाई। इसके बाद भीड़ दोनों पर और टूट पड़ी और आखिरकार जान ले ली। बता दें कि उन्होंने तुंगीपारार मियां भाई% फिल्म का निर्देशन किया था और वह सलीम शहंशाह, विद्रोही जैसी फिल्में भी प्रड्यूस कर चुके हैं। यह फिल्म बांग्लादेश के राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की कहानी पर बेस्ड थी। इन सबके अलावा वह उन्हें पद्म मेघना नदी से अवैध रूप से रेत खनन मामले में भी दोषी पाए गए थे, जिसके बाद उन्हें जेल भी जाना पड़ा था।

सन ऑफ सरदार 2 में संजय दत्त को रवि किशन ने नहीं किया है रिप्लेस!

इन दिनों सबसे ज्यादा सुर्खियों में जो फिल्म है, वो है अजय देवगन स्टारर सन ऑफ सरदार 2, जिसमें संजय दत्त के रिप्लेसमेंट की खबर सामने आई थी। बताया गया था कि इसमें से उन्हें इसलिए हटाया गया क्योंकि उनका यूके वीजा रिजेक्ट कर दिया गया है। क्योंकि 1993 में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और उनके क्रिमिनल रिकॉर्ड्स को देखते हुए उन्हें ये वीजा नहीं दिया जा सकता। अजय देवगन, संजय दत्त और सोनाक्षी सिन्हा स्टारर सन ऑफ सरदार साल 2012 में रिलीज हुई थी। इस मूवी की सफलता को देखते हुए मेकर्स इसका सीक्वल लेकर आ रहे हैं। हालांकि इसकी शूटिंग भी शुरू हो चुकी है, जिसकी झलक खुद अजय ने इंस्टाग्राम पर दिखाई थी। उसमें मृणाल ठाकुर और चंकी पांडे भांगड़ा करते नजर आए थे। संजय दत्त इस मूवी का हिस्सा होंगे। रवि किशन से उनके रिप्लेमेंट वाली खबर महज एक अफवाह थी। फिल्म की मेकिंग से जुड़े करीबी सूत्रों ने ये बताया है कि संजय दत्त को फिल्म से निकाला नहीं गया है। वह अभी भी इसका हिस्सा हैं। हां वह यूके नहीं जाएंगे। बस अपने हिस्से की शूटिंग भारत में ही करेंगे।

न्यायालय तहसीलदार दरिमा जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-44/बी-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला दण्डाधिकारी सरगुजा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने कार्यालयीन पत्र क्रमांक-243/लायसेंस शाखा/2024 अम्बिकापुर दिनांक 21/06/2024 के द्वारा उप प्रबंधक भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड बिलासपुर रिटेल टेरिटरी के पत्र क्रमांक-REF: BT/LO 1157/RURL/SURGUJA दिनांक 10/02/2024 के परिपेक्ष्य में आवेदक अमित जायसवाल आ0 ज्ञान प्रकाश जायसवाल निवासी जी-4हरि देवेन्द्रम एस0ओ0 सी0 वार्ड क्रमांक 03 बनारस रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा को ग्राम कुम्हरता तहसील दरिमा स्थित भूमि क्रमांक-1/52, 1/53, 1/55, 1/98 के रकबा 35X40=1400 वर्गमीटर पर पेट्रोल/डीजल पम्प स्थापित किए जाने के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने हेतु स्थल निरीक्षण कर प्रश्नाधीन भूमि तथा आवेदित प्रयोजन के संबंध में मौका जांच कर वस्तुस्थिति संबंधी तथ्यात्मक प्रतिवेदन मय अभिलेखों (सरगुजा सेटलमेन्ट,अधिकार अभिलेख, वर्तमान बी-1,खसरा, नक्शा एवं व्यपवर्तन स्वीकृत होने संबंधी प्रमाण पत्र)की प्रति तथा अपने स्पष्ट अभिमत सहित इस न्यायालय में प्रतिवेदन चाही गई है।

अतः उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार दरिमा,सरगुजा (छ0ग0)

कौन हैं वॉकर ब्लैंको,जिन्हें डेट कर रहीं अनन्या पांडे!

अनंत-राधिका की शादी में प्यार में डूबा था कपल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की जिंदगी में प्यार ने फिर दस्तक दी है। एक्टर आदित्य रॉय कपूर से ब्रेकअप करने के बाद उन्होंने अब पूर्व मॉडल को डेट करना शुरू किया है, जिसका नाम वॉकर ब्लैंको हैं। बताया जा रहा है कि अनन्या और वॉकर ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी साथ में अटैंड की थी। इस दौरान अनन्या ने वॉकर को सबसे अपने पार्टनर के रूप में मिलवाया था और वो इस रिश्ते को छिपाने की कोशिश भी नहीं कर रही थीं।

हमारे सहयोगी की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉकर ब्लैंको एक्स मॉडल हैं। सात ही अंबानी की एक प्रॉपर्टी में काम भी करते हैं। उनकी अनन्या से मुलाकात उस क्रूज पार्टी में हुई थी, जिसे अनंत और राधिका ने होस्ट की थी। इसके बाद अनन्या और वॉकर करीब आ गए।

अनंत और राधिका की शादी की कुछ तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं, जिनमें अनन्या को वॉकर के काफी करीब देखा जा सकता है। दोनों एक-दूसरे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं। दोनों ने पूरी शादी में खूब इंजॉय किया। फंक्शन में रोमांटिक गाना बजने पर दोनों ने डांस भी किया।

वैसे तो रिपोर्ट्स बता रही हैं कि वॉकर एक्स मॉडल हैं और अंबानी के एक प्रोजेक्ट में काम करते हैं। लेकिन अगर उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर नजर डाले तो उन्हें वाइल्ड लाइफ पसंद है। वो समंदर की गहराइयों में जाना पसंद करते हैं। सांपों से लेकर तमाम तरह के खतरनाक जानवरों को खिलाते नजर आते हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 16.6च लोग फॉलो करते हैं। इनमें अनन्या पांडे भी शामिल हैं।

मालूम हो कि दावा किया जा रहा था कि अनंत और राधिका की शादी में अनन्या पांडे और हार्दिक पांड्या काफी मस्ती कर रहे थे। दोनों इसी शादी में एक-दूसरे के करीब आ गए। रातभर साथ रहे। बाद में अनन्या ने इंस्टाग्राम पर हार्दिक को फॉलो भी किया। इससे हर तरफ सनसनी मच गई थी, क्योंकि उस वक्त हार्दिक अपनी पत्नी नताशा स्टेनकोविक संग तलाक के दर्द से गुजर रहे थे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-/अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-पतरापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती जानकुंवर पति चंदन सिंह, जाति गोंड़, निवासी ग्राम पतरापारा, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम पतरापारा प0ह0नं0 06, रा.नि.मं.बसदेई, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 116/3 रकबा 0.04 में से रकबा 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/08/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.08.2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा)अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- /अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश मलिक पिता शालूराम मलिक, कृष्णराठी पिता रामा किशन जाति जाट निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 521,525 रकबा 0.260, 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/08/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, गुरूवार 08 अगस्त 2024

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)